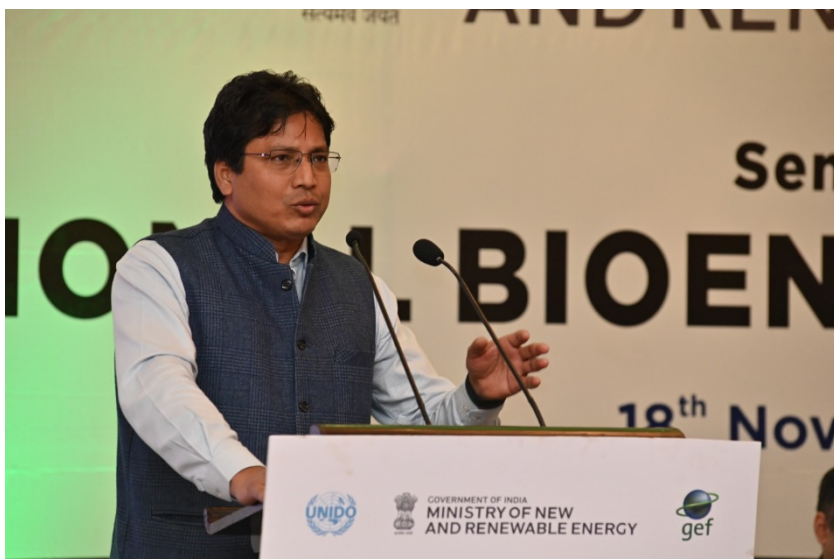


प्रेस विज्ञप्ति

"राष्ट्रीय जैव ऊर्जा कार्यक्रम" पर सेमिनार

इरेडा पिछले 35 वर्षों से नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में एक मातृत्व संगठन के रूप में अपनी अग्रणी स्थिति बनाए हुए है और बाजार की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लगातार वित्तीय उत्पादों का विकास कर रहा है: सीएमडी, इरेडा



नई दिल्ली, 18 नवंबर, 2022

भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था लिमिटेड (इरेडा) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी), श्री प्रदीप कुमार दास ने आज "राष्ट्रीय जैव ऊर्जा कार्यक्रम" पर एक सेमिनार में महत्वपूर्ण संदेश दिया। इस सेमिनार का आयोजन, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) द्वारा वैश्विक पर्यावरण सुविधा (जीईएफ) और

संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन (यूएनआईडीओ) के सहयोग से "भारत में औद्योगिक नवीकरणीय ऊर्जा अनुप्रयोगों के लिए जैविक अपशिष्ट स्ट्रीम्स" परियोजना के तहत किया गया था।

इस उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता श्री आर.के. सिंह, माननीय मंत्री, विद्युत एवं नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, श्री भूपिंदर सिंह भल्ला, सचिव, एमएनआरई, सुश्री विनी महाजन, सचिव, पेयजल और स्वच्छता विभाग (डीडीडब्ल्यूएस) और श्री दिनेश दयानंद जगदाले, एमएनआरई और यूएनआईडीओ के प्रख्यात वक्ताओं ने की। इस कार्यक्रम के दौरान बायोगैस और बायो-ऊर्जा पोर्टल के साथ-साथ राष्ट्रीय जैव ऊर्जा कार्यक्रम का सार-संग्रह भी लॉन्च किया गया। इस सेमिनार का आयोजन जैव ऊर्जा क्षेत्र में चुनौतियों, अवसरों और पहलों पर चर्चा और विचार-विमर्श करने के लिए किया गया था।

इरेडा के सीएमडी ने अपने संबोधन में इस बात पर प्रकाश डाला कि, इरेडा पिछले 35 वर्षों से नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में एक मातृत्व संगठन के रूप में अपनी अग्रणी स्थिति बनाए हुए है और बाजार की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लगातार वित्तीय उत्पादों का विकास कर रहा है। कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2021-22 के समाप्ति के दौरान अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। इरेडा ने अब तक की सर्वाधिक ऋण मंजूरीयां 23921.06 करोड़ रुपए (वित्तीय वर्ष 2020-21 की तुलना में 117% की वृद्धि) और ऋण संवितरण 16070.82 करोड़ रुपए (वित्तीय वर्ष 2020-21 की तुलना में 82% की वृद्धि) हासिल की है। दिनांक 31.10.2022 के अनुसार इरेडा के पास लगभग 1.33 लाख करोड़ का संचयी ऋण स्वीकृत है, जिसमें से ~6492 करोड़ की ऋण राशि को बायोएनेर्जी/को-जेन/डब्ल्यूटीई सेक्टरों के लिए स्वीकृति दी गई है। इसके अलावा, इरेडा ने 83000 करोड़ से अधिक का संचयी

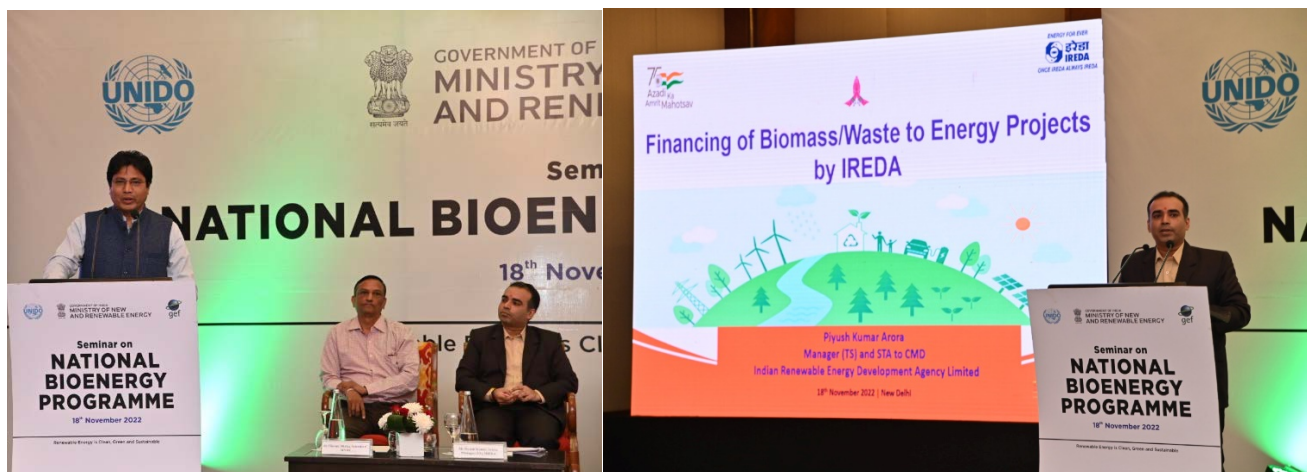
संवितरण किया है, जिसमें से ~4097 करोड़ की ऋण राशि को बायोएनेर्जी/को-जेन/डब्ल्यूटीई क्षेत्रों के लिए संवितरित किया गया है।

उपर्युक्त ऐतिहासिक लक्ष्यों को प्राप्त करते हुए, इरेडा ने उच्चतम स्तर की कर्मचारी देखभाल और संतुष्टि के माध्यम से मानव पूंजी में निरंतर सुधार सुनिश्चित किया है। उन्होंने कहा, देश में त्वरित आरई विकास सुनिश्चित करने के लिए उपरोक्त स्वीकृति और संवितरण लक्ष्यों को डिजिटलीकरण, पारदर्शिता, जवाबदेही आदि के साथ हासिल किया गया है।

इरेडा विधिक, नैतिक और निष्पक्ष तरीके से व्यवसाय करने के लिए सर्वोत्तम गुणवत्ता वाली कॉर्पोरेट प्रशासन पद्धतियों के लिए प्रतिबद्ध है। गुणात्मक कॉर्पोरेट गवर्नेंस हितधारकों के मूल्य में गुणात्मक और मात्रात्मक सुधार दोनों को सक्षम कर सकता है, जोकि कॉर्पोरेट गवर्नेंस का अंतिम उद्देश्य है, जिससे इरेडा ने पिछले दो वर्षों के दौरान कोविड महामारी के कारण हुए सबसे खराब व्यावसायिक परिदृश्य में हितधारकों के लिए अब तक का सबसे अच्छा मूल्य सृजन हासिल किया है।

इरेडा के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने आगे कहा कि, इरेडा ने फेसलेस ऋण स्वीकृतियों और संवितरण, ऋण स्वीकृति, प्रलेखन और संवितरण साइकल में कम अवधि और देश में बढ़ते भौगोलिक फुटप्रिंट के मामलों में "व्यवसाय करने में आसानी" में काफी सुधार किया है।

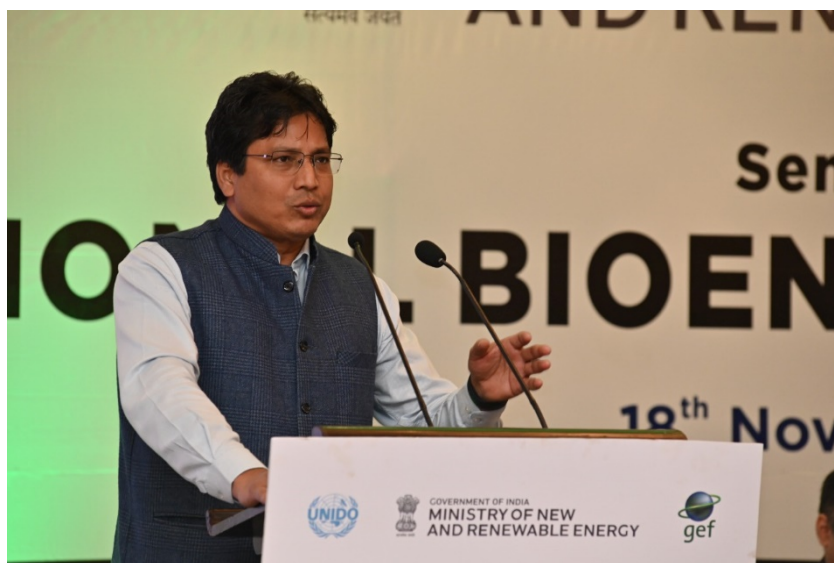
उन्होंने आगे कहा कि, भारत माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा निर्धारित लक्ष्य वर्ष 2030 की समय सीमा से पहले गैर-जीवाश्म ईंधन से ऊर्जा का 50% शेयर और 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता लक्ष्य को आसानी से प्राप्त कर लेगा। इरेडा के प्रबंधक, श्री पीयूष अरोड़ा ने इरेडा की भूमिका और कार्यप्रणाली पर एक व्याख्यान दिया और "बायोमास/अपशिष्ट से ऊर्जा परियोजना के लिए वित्तपोषण" पर एक प्रस्तुति दी। इस सेमिनार में इरेडा के निदेशक (तकनीकी) और इरेडा के अन्य अधिकारीगण भी उपस्थित थे।



Press Release

Seminar on “National Bioenergy Programme”

**IREDA has been maintaining its leadership position as a mother organization in Renewable Energy space for past 35 years and is continuously developing financial products to meet market requirements:
CMD, IREDA**



New Delhi, November 18th, 2022

Shri Pradip Kumar Das, Chairman & Managing Director (CMD), Indian Renewable Energy Development Agency Limited (IREDA), delivered a keynote address, today, at a Seminar on **“National Bioenergy Programme”**. The seminar was organized by Ministry of New and Renewable Energy (MNRE) in collaboration

with Global Environment Facility (GEF) and The United Nations Industrial Development Organization (UNIDO) under the project *“Organic Waste Streams for Industrial Renewable Energy Applications in India”*

The inaugural session was chaired by Shri R.K.Singh, Hon’ble Minister, Power and New and Renewable Energy, Shri Bhupinder Singh Bhalla, Secretary, MNRE, Ms. Vini Mahajan, Secretary, Department of Drinking Water and Sanitation (DDWS) and Shri Dinesh Dayanand Jagdale with eminent speakers from MNRE and UNIDO. The compendium of the National Bioenergy Programme along with Biogas & Bio-Urja portal were also launched during the programme. The seminar was organized to discuss and deliberate on the challenges, opportunities & initiatives in the bioenergy sector

In his address, CMD, IREDA, highlighted that IREDA has been maintaining its leadership position as a mother organization in Renewable Energy space for past 35 years and is continuously developing financial products to meet market requirements. The company has ended FY 2021-22 with its best-ever performance till date. IREDA has achieved the highest-ever loan sanctions of Rs. 23921.06 crores (an increase of 117% over FY 2020–21) and loan disbursements of Rs. 16070.82 crores (an increase of 82% over FY 2020–21). IREDA has a

cumulative loan sanction of around 1.33 Lakh Cr. ending 31.10.2022 out of which a loan amount of ~6492 Cr. has been sanctioned to bioenergy / co-gen / WtE sectors. Further, IREDA has effected cumulative disbursements of more than 83000 Cr, out of which a loan amount of ~4097 Cr. has been disbursed against bioenergy / co-gen / WtE sectors.

While achieving the historic targets, IREDA has ensured continuous improvement of human capital through highest level of employee care and satisfaction. He added, the above sanction and disbursement targets are achieved in conjunction with digitization, transparency, accountability, etc. to ensure speedy RE development in the country.

IREDA is committed to best quality corporate governance practices in conducting business in a legal, ethical and fair manner. The qualitative Corporate Governance can enable both qualitative and quantitative improvements in stakeholders' value, which is ultimate objective of Corporate Governance, which IREDA achieved best ever value creation for stakeholders in the worst ever business scenario due to Covid pandemic in the last two years.

IREDA has significantly improved the "ease of doing business" in terms of faceless loan sanctions and disbursements, reduction in loan sanction, documentation and disbursement cycle and increased geographical footprint in the country, added CMD, IREDA.

He further said that India will easily achieve the target of 50% share of energy from non-fossil fuels and also the 500 GW Renewable Energy capacity before the deadline of 2030 set by the Hon'ble Prime Minister, Shri Narendra Modi. Shri Piyush Arora, Manager, IREDA delivered a talk on IREDA's role and functioning and gave a presentation on "Financing of Biomass/ Waste to Energy Project", where Director Technical and other officers of IREDA were present.

